V.V.F 4. लोकतंत्र की उपलब्धियाँ

(i) लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है?

Ans: → लोकतंत्र उत्तरदायी एवं वैध है कि नहीं इसे जानने के लिए तीन सवाल करेंगे

(ii) क्या लोकतंत्र में जनता को चुनाव में मौका लेने और अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है?

Ans: → हाँ

(iii) क्या चुनी हुई सरकार लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने में प्रभावी हो पाती है/

Ans: → हाँ

(iii) क्या सरकार द्वारा फैसले सिर्फ लिये जाते हैं; और फैसले जनकल्याणकारी होते हैं

Ans: → हाँ

ऊपर के तीनों प्रश्नों का मूल्यांकन करने पर लोकतंत्र के संदर्भ में जवाब सकारात्मक आता है/ उदाहरण लिंकन के अनुसार लोकतंत्र "जनता का, जनता के लिए, जनता के द्वारा शासन की व्यवस्था है" लोकतंत्र शासन व्यवस्था में जनता ही केंद्र बिंदु है/ जनता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सरकार को चुनती है/ यदि सरकार का निर्णय जनकल्याणकारी न हो तो जनता उसे अगले चुनाव में हटा भी सकती है/ इस प्रकार लोकतंत्र उत्तरदायी एवं वैधसरकार का गठन करता है/

(2) लोकतंत्र किस प्रकार आर्थिक स्वतंत्रता और विकास में सहायक बनता है

Ans: → लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था जनता के प्रति उत्तरदायी एवं वैध सरकार होती है यहाँ आर्थिक स्वतंत्रता भी होती है और विकास भी आर्थिक होता है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में जनता निरंकुशता से अपने बातों को रख सकते हैं यहाँ नागरिकों को गरीबी एवं अन्याय नहीं मिलती है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में विषमताओं एवं विभिन्नताओं के बीच आपसी सामंजस्य सामंजस्य होता है। अतः लोकतंत्र आर्थिक स्वतंत्रता एवं विकास में सहायक है।

(3) लोकतंत्र किन स्थितियों में सामाजिक विषमताओं को पाटने में सहयोग देता है और सामंजस्य के वातावरण को निर्माण करता है

Ans: → लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में सभी जाति धर्म सम्प्रदाय के लोग मिलकर अच्छी सरकार बनाते हैं। यहाँ सभी लोगों के बातों को सुनी जाती है। किसी को अनदेखा नहीं किया जाता है जिस कारण मतभेद एवं ~~कोई~~ टकराव ~~कि~~ की स्थिति नहीं होती है। लोकतंत्र में नागरिक शांति पूर्ण जीवन जीते हैं

सामाजिक विषमताओं को लोकतंत्र वास्तव में उतनी वास्तव व्यवस्था है। जितनी जनता के बीच सामंजस्य स्थापित करता है।

Nepal में राजपरिवार के इशारे पर जनता के विरुद्ध दमनचक्र चलाया गया जिसमें अनेक जनता मारे गए क्योंकि यह जनता के अधिकारों के विरुद्ध था। अतः लोकतंत्र सामाजिक विषमताओं को बांटने में सहयोग होता है और सामंजस्य के वातावरण का निर्माण करता है।

(4.) Ans: → (iii)
(5.) Ans: → (iv)
(6.) Ans: → सत्य
(7.) Ans: → (i) सत्य (ii) असत्य

(8.) भारत वर्ष में लोकतंत्र के भविष्य को आप किस रूप में देखते हैं?

Ans: → भारत संसार का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। भारतीय लोकतंत्र के उपलब्धि और परिणामों को देखते हैं तो हमारे मन में मिश्रित प्रतिक्रिया होती है, निराशा भी होती है तो आशा की किरण भी जगती है। नाना क्षेत्रों समाधान के सच्चे तिर फैसले के इस परिणाम देखने पर यह पता चलता है कि लोकतंत्र से बेहतर कोई समाधान व्यवस्था नहीं

ही नहीं सकती भारतीय लोकतंत्र के 70 वर्षों की अवधि के संदर्भ में देखते हैं तो पाते हैं कि लोकतंत्र में हम काफी सफल रहे हैं अब जनता अपूर्वाधिक प्रभाव वाले दबंगों को नकार चुकी है। जनता को यह विश्वास हो गया है कि वह किसी को गिरा या उठा सकती है आज हमारे संसार में भारतीय लोकतंत्र की धाक बढ़ी है हमको पुलिस के प्रति दृष्टि पर स्थित या सन्तोष जनक प्रतीत होती है। अब भारतीय जनता प्रजा से नागरिक बन गयी है। जनता का लोकतंत्र में अटूट विश्वास हो गया है। अतः भारत में लोकतंत्र का भविष्य उज्ज्वल है।

(9.) भारत वर्ष में लोकतंत्र कैसे सफल हो सकता है?

Ans: → भारत संसार को सुधरने वाला लोकतांत्रिक देश है भारतीय लोकतंत्र की सफलता का मूल्यांकन करने पर मिश्रित प्रतिक्रिया हमारे मन में आती है। एक निराशाओं के बिच आशा की किरण भी जगती है। यह बात सत्य है कि संसार में लोकतंत्र की धाक बढ़ी है परंतु उनमें भी लोकतंत्र की मार्ग में कई रुकावटें हैं उनमें बड़ी बाधा है अशिक्षा शिक्षा के अभाव में जनता अपने कर्तव्य और उनके अधिकार समझ नहीं पा रही है। जो लोकतंत्र में सफलता के मार्ग में बाधक है।

Teacher's Signature .....

इसके अतिरिक्त गरीबी, बेरोजगारी, परिवार वाद भारतीय लोकतंत्र को पूर्ण सफल होने से रोक रहे हैं। उपरोक्त समस्याओं को हल कर लेने के बाद भारतीय लोकतंत्र पूरी तरह से सफल हो जाएगी।

5. लोकतंत्र की चुनौतियां

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short - Answer Questions)

Q (6) लोकतंत्र क्या है?

Ans: → लोकतंत्र एक प्रकार का शासन है, एक सामाजिक व्यवस्था का सिद्धांत है। पूर्व अमेरिका राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र को सबसे सरल और सर्वमान्य परिभाषा दी है। उन्होंने कहा "लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन की व्यवस्था है"।

लोकतंत्र में जनता अपने मतों द्वारा, अपने बीच से जनप्रतिनिधियों को चुनती है, ये जनप्रतिनिधि सरकार बनाते हैं और जनता के लिए कार्य करते हैं। इस तरह लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता के द्वारा शासन की व्यवस्था है।

Q (7) गांधीवाद को राजनीति में लेकर लोकतंत्र को प्रभावित करते हैं?